जवानी में मुझे पाला बुढ़ापे में निकाला है गौमाता भजन

जवानी में मुझे पाला,
बुढ़ापे में निकाला है,
भटकती मैं फिरूं दर दर,
ना खाने को निवाला है,
जवानी में मुझें पाला,
बुढ़ापे में निकाला है।bd।

तर्ज – मुझे तेरी मोहब्बत का।

था दम खम जब तलक मुझमे,
बहाई दूध की धारा,
बुढ़ापे ने ज्यूँ दस्तक दी,
गया है सुख थन सारा,
कोई अब हाल ना पूछे,
किसी ने ना संभाला है,
भटकती मैं फिरूं दर दर,
ना खाने को निवाला है,
जवानी में मुझें पाला,
बुढ़ापे में निकाला है।bd।

फिरूं भूखी भटकती मैं,
ना भोजन है ना चारा है,
जहाँ जो भी मिला मुझको,
वही मुंह मैंने मारा है,
मेरे अपनों ने ही मुझको,
मुसीबत में यूँ डाला है,
भटकती मैं फिरूं दर दर,
ना खाने को निवाला है,
जवानी में मुझें पाला,
बुढ़ापे में निकाला है।bd।

मुझे माता जो कहते थे,
कहाँ गुम हो गए सारे,
भुला मुझको क्यों बैठे है,
मेरी वो आँख के तारे,
‘हर्ष’ उनको जरा सोचो,
[illegible]

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

भटकती मैं फिरूं दर दर,
ना खाने को निवाला है,
Bhajan Diary Lyrics,
जवानी में मुझें पाला,
बुढ़ापे में निकाला है।bd।

जवानी में मुझे पाला,
बुढ़ापे में निकाला है,
भटकती मैं फिरूं दर दर,
ना खाने को निवाला है,
जवानी में मुझें पाला,
बुढ़ापे में निकाला है।bd।

Singer – Atul Krishna Ji

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com